सेखावाटी तिमाई पतरिका

आपणी सेखावाटी, आपणी बोली

अपरेल सूं जून-2020

nirmaan
empowering communities

संपादक

निरमाण सोसायटी

नोलगड

सुबिचार

1. काम, झाळ अर लोभ अ तीन्यू नरक का दवार है - कबीर

2. स्यांति अर आतमा पै काबू करनो ई नी, राड़ पै बी काबू करनो है - महावीर स्वामी

पाह्ळी

1. धोळी घोड़ी झबरो पूंछ नै आवै तो तेरै बाप-दादा नै पूछ - मूळी।

2. नकटी स्यांड नै पढा - आदी रोटी पै कढी नकटी स्यांड पढी।

कहबत

1. अकास म बिजळी चिमकै, गधेड़ो लात बावै।

अर्थ:- निरर्थक आक्रोश का प्रदर्शन करना।

2. आदी रोटी पै दाळ लेणो।

अर्थ:- झगड़ा मोल लेना।

ओळखाण

आपणै राजस्तान कै मांय बोळी सारी बोलियां बोली जा है। बिमै एक सेखावाटी बोली बी बोली जा है। आ बोली राजस्तान कै चुरू, झूझनू अर सीकर जिला मांय बोली जा है। ई बोली नै आपणै एरिया मांय "सेखावाटी बोली" को नांव दियो गयो है। जखी आपणा घरका, गांमगा अर ठिकाणा कै लोगां कै सागै बोला हां पण दो-च्यार बरस सूं ई बोली नै भूलता जार्या हां। ईक्ले म्हे आ "सेखावाटी तिमाई पतरिका" बणाई है। बिमै आपणी बोली म बोली जाबाळी काह्णियां, कहबत, सुबिचार, भजन, धमाल, लोकगीत, पाह्ळी घरेलू नुसखा अर सिरकार की योजना अ सगळी चिज्यां लिखी गई है। आनै लिखबा को म्हारो ओ मकसद है कि आपणी मान-मरयादा अर धारा नै बणाया राखबा क्ले अर आपणी बोली तांती दर तांती बणी रहसी। आपणी बोली को अबतांई कोई कन बी लिखेड़ो रूप कोनी। राजस्तान मांय सैसूं पेली आपणी बोली को लिखेड़ो रूप देबा को कार "निरमाण सोसायटी" कै दुआरा कर्यो जार्यो है पण ओ कार थ्हारै लोगां कै सारा बना अधूरो है।

देसी नुसखो (लसण सूं देसी इलाज)

• दांता म दरद:-

जे थ्हारै दांता म दरद होर्यो है तो लसण काम म लेणो चाये। लसण दांता को दरद ई दूर कोनी करै, कीड़ा नै अर दांता की सिड़ान नै बी दूर करै है। जखा क्ले रुई म लसण कै तेल का थोड़ा-सा टोपा ले'र जखै दांत म दरद होर्यो है बठे 10-15 मिनट तांई दबाया राखो। ओ दिन म 2-3 बर करो अर 10 गराम लसण की पोथियां नै 50 गराम घीया कै सागै पीसल्यो अर आदै लीटर पाणी म उबाळल्यो। जद पाणी आदो रहज्या जणा छाणल्यो अर बी पाणी का कुल्ला करबा सूं दांत को दरद सई हो ज्यासी।

• घाव को इलाज :-

लसण घाव नै तावळो ई सई करै है। जखा क्ले लसण की पोथियां नै पीस'र सरस्यूं कै तेल म उबाळल्यो। ई काडा सूं घाव पै लेप करो जिसूं घाव तावळो सई होबा लाग ज्यासी।

• बाळ झड़बा को इलाज:-

लसण म बोळी चोखी चीज्यां होवै जखी बाळा नै लम्बा बणावै है। बाळा नै झड़बा सूं रोकबा क्ले लसण कै तेल नै बाळा की जड़ा म लगावो अर सारी रात तांई रह्बा द्यो, जिसूं बाळ झड़बो बन हो ज्यासी।

• गूमड़ी को इलाज:-

मुंडै की गूमड़ी लोगां क्ले सैसूं बडी परेसानी है। ईसूं अराम पाबा क्ले लसण कै तेल नै काम म लेणो चाये। गूमड़ी क्ले लसण कै तेल नै पीळी माटी म मिला'र 10 मिनट तांई मुंडै पै लगायां फेर सीळै पाणी सूं धोल्यो जिसूं थ्हानै फरक दिखबा लाग ज्यासी।

सेखावाटी सुबिचार

1. मोट्यार-लुगाई को समंद जुगलजोड़ी की जंय्या होणो चाये - बी. आर. अम्बेडकर

2. बडाई बो राछ है, जिसूं बैरी नै बी भायलो बणायो जा सकै - दयानन्द सरस्वती

3. आपां बंय्या का ई बण ज्यावां हां जंय्या की आपणी सोच है, ईक्ले ई बात को ध्यान राखो कि आपां के सोचर्या हां - स्वामी विवेकानन्द

फसल कै कीड़ां को इलाज

डी-कम्पोजर (दुवाई) खेतीखड़ क्ले संजवनी बूटी

*नै कोई खात, नै कोई कीड़ा नै मारबाळी दुवाई, खाली डी-कम्पोजर (दुवाई)

डी-कम्पोजर (दुवाई) जेविक करसी अनुसंदान केंदर कै दुवारा बणाई गई बेकार की चीज्यां को नास करबाळी है। ईकै सागै-सागै आ खेती को नुयो तरीको बी है जखो पूरी तरियां सूं जेविक है अर आ खेतिखड़ां की लागत नै आदी करै है। कीड़ा की दुवाई पै होबाळा खरच नै कम करै है। एगरोकोनेक्ट जेविक करसी अनुसंदान केंदर सूं आ दुवाई पूरी मिलै है।

डी-कम्पोजर (दुवाई) नै त्यार कराबा को तरीको

1. एक जरीकन या टंकी म 200 लीटर पाणी ले'र बीमै 2 कोप पुराणो गुड़ गेर चोखी तरियां मिलावो।

2. डी-कम्पोजर (दुवाई) की एक सीसी दुवाई पाणी म गेरो अर पाणी नै लीकड़ै सूं मिलाद्यो। डी-कम्पोजर (दुवाई) कै हात मता लगावो क्यूंकि ई दुवाई म झैर होवै है।

3. अब रोजिना सुबै-स्याम ई घोळ नै लीकड़ै सूं 1 मिनट तांई मिलावो। 7 दिना म ओ घोळ माटी कै रंग की जंय्या को त्यार हो ज्यासी।

खात बणाबा को तरीको

छांयाळी जगां पै कचकड़ा की सीट बिछा'र बीपै 20 सेमी. पतळी गोबर अर कुटळै की 1 टन परत बिछाद्यो। ईपै त्यार घोळ नै छिड़को अर ई सगळै सोदा म 60 परतिसत सील बणा'र राखो। डी-कम्पोजर (दुवाई) नै हरेक 7 दिना कै इसाब सूं छिड़को। 40-50 दिना म आ खात त्यार हो ज्यासी।

डी-कम्पोजर (दुवाई) खाली कीड़ा नै मारबा क्ले ई कोनी है, ईनै ओर बी भोत कामा म ली जा सकै है।

जेविक दुवाई कै रूप म

30 लीटर डी-कम्पोजर (दुवाई) 70 लीटर पाणी म मिलायेड़ा घोळ को छिड़काव करबा सूं घणकरीक तरियां की माटी म कीड़ा सूं होबाळी बेमारियां सूं बचायो जा सकै है। ईनै 10 दिना कै इसाब सूं छिडकणो चाये।

कीड़ां को इलाज

खेती की सगळी जाणकारी क्ले डाउनलोड करो

Play store/ Agroconnect-Kheti Badi Kisan

खेत म लागेड़ी बेमारियां कै बारै म जाणबा क्ले डाउनलोड करो

Play store/ Pestoz-Identify Plant diseases

कीड़ा सूं बचबा क्ले 1:1 कै इसाब सूं डी-कम्पोजर (दुवाई) नै छिड़को। सगळी तरियां का कीड़ा अर घुण पै ईको असर पड़सी।

फुंवारा सूं सिंचार को तरीको

फुंवारा सूं सिंचार करबाळा खेतीखड़ 200 लीटर डी-कम्पोजर (दुवाई) नै फुंवारा सूं दे सकै है।

बून-बून सिंचार को तरीको

200 लीटर घोळ नै 1 एकड़ खेत म जरूत कै इसाब सूं पाणी म मिला'र पायप म घाल'र चलावो।

बीज कै इलाज को तरीको

बीजा नै एक पल्ली पै छिदा कर डी-कम्पोजर (दुवाई) कै घोळ नै बीजा पै छिड़को अर 30 मिनट तांई छांया म सुका द्यो। बोजां की बेमारियां नै थामबा क्ले 3 भाग पाणी म 1 भाग डी-कम्पोजर (दुवाई) कै घोळ नै मिला'र छिड़को।

डी-कम्पोजर (दुवाई) नै काम म लेबा सूं कीड़ा समंदी बेमारियां पै कामयाबी मिली है, जिमू कंय्या का नांव है:

मिरच, टमाटर, बताऊ, मूफळी, आलू, सोयाबीन, गोबी आ सगळां की बेमारियां नै रोकणो, अदरख, कांदो, हळदी आंकी जड़ा की बेमारियां नै रोकणो, जड़ की सुगन अर सुखबाळी बेमारियां नै रोकणो।

डी-कम्पोजर (दुवाई) नै काम म लेबाळा खेतीखड़ कै खेत म कोई बी बेमारी को असर कोनी देख्यो गयो।

डी-कम्पोजर (दुवाई) सगळी पोसक चीज बोजा नै दिवावै है। ईनै काम म लेबा कै सागै ओर कोई बी खात की जरूत कोनी।

डी-कम्पोजर (दुवाई) खरीदबा क्ले थ्हारो नांव, ठिकाणो पिन कोड कै सागै अर मोबायल नमर अ सगळा वाटसप आ नमरा (9877521038, 9501377766) पै करद्यो।

सेखावाटी काह्णी (कागलो अर खेतीखड़)

एक कागलो अर एक खेतीखड़ भायला हा। खेतीखड़ रोजिना पेली कागला नै खाणो दिया पाछै ई आप खातो। बठे सूं जाणै कै पाछै कागलो उड'र बरमा जी कै दरबार मांय पूंच ज्यातो अर दरबार कै बारै लागेड़ा बोजा पै बेठ'र बांकी सगळी बातां सुणतो। आथण कै बा'ई बात कागलो खेतीखड़ नै बतातो। एक दिन कागलो खेतीखड़ सूं बोल्यो, 'आज बरमा जी कहर्‌या हा कि ई साल धरती पै मे कोनी होसी पण डूंगरा पै भोत मे होसी। क्यूं नै ई बर थ्हे डूंगरा पै खेती करो?' खेतीखड़ डूंगरा पै खेती चालू करदी। आस-पड़ोस का मिनख बी खेतीखड़ को मजाक उडावै लागा। ऊं साल जोरको काळ पड़्यो। खेतीखड़ एकलो अंय्या को मिनख हो, जखा कै भोत नाज होयो। देखता ई देखता कई साल बीतग्या। एक दिन कागलो खेतीखड़ नै बोल्यो, 'बरमा जी कहर्‌या कि ई बर भोत मे होसी। नाज बी भोत होसी पण सगळै नाज नै कीड़ा-मकोड़ा खा ज्यासी। थ्हे पैली सूं ई मैना अर चिड़ियां नै ल्यावो, जिसूं बै पेली कीड़ा-मकोड़ा नै खा ज्यासी।' खेतीखड़ बंय्या ई कर्‌यो जंय्या कागलो बिनै बतायो। गेलकी बर कै तजुरबा नै देख'र लोगां नै संका होई। बै बिनै गोर सूं देखबा लाग्या पण मिनख ई बर खेतीखड़ पै हांस्या कोनी। ई बर बी खेतीखड़ कै घरां बोळो नाज होयो। ओ साल बी बीतगो। अबकी बर कागलो खेतीखड़ नै बोल्यो, 'बरमा जी कहर्‌या कि नाज नै चूसा खा ज्यासी। ईक्ले थ्हे घणी सारी बिलाई ल्यावो जिसूं बै चूसा नै खा ज्यासी।' खेतीखड़ नै बिलायां ल्याता देख सगळा मिनख बिकै सागै हो लिया। ई बर बै खेतीखड़ की बात मानली अर ई साल गांमगै लोगां कै बोळो नाज होयो।

सीख:- कदे-कदे दूसरा नै करता देख बिकी जंय्या करणो बी नफा म रहवै।

सेखावाटी धमाल (मोहन मत मारै)

एहे...मत मारो रे मोहन मैरै लग ज्यागी रै मत मारो रे...

मत मारो रे मोहन म्हारै लग ज्यासी रै मत मारो रै...[टेर]

एहे...भर पिचकारी रै कानो घूंघट ऊपर मारी रै...

मुखड़ै की आप बिगाड़ी रसियो रे मत मारो रै...[1] टेर

एहे...भर पिचकारी रै कानो गळपटिया पै मारी रै...

मोतिड़ै री आप बिगाड़ी रसियो रै मत मारो रै...[2] टेर

एहे...भर पिचकारी रै भंवरो हातां ऊपर मारी रै...

चुड़लै री आप बिगाड़ी रसियो रै मत मारो रै...[3] टेर

एहे...भर पिचकारी रै मोहन पगल्यां ऊपर मारी रै...

पायलड़ी री आप बिगाड़ी रसिया रै मत मारो रै...[4] टेर

ठिकाणो

निरमाण सोसायटी

म्होल्लो आथूणो, खतरी कलोनी, वारड नमर 6,

नोलगड, झुंझनू, राजस्तान, पिन कोड - 333042

फोन नमर - 01594-223776

Email- rajasthanlanguages@nirmaan.org.in

Web- www.nirmaan.org.in

बणाबाळा:-

कमलेश कुमार अर रतन लाल योगी

मदत करबाळा:-

मुकेश कुमार योगी अर कविता योगी